साहित्य की चोरी या नकल

हमेशा अपने अध्यापक से पूछें

- कि आप के स्कूल में साहित्यक चोरी का क्या अर्थ है।
-जानकारी के साधन किस तरह ढूंढें।
-यदि आप को अपने नोटस और अपना पूरा किया हुआ प्रोजैकट देना पड़े तो ?

मेरे देश में किसी दूसरे व्यक्ति के लिखे कार्य की नकल करना स्वीकार्य है। यहाँ भिन्न क्यों है?

साहित्य की चोरी की परिभाषा एक देश से दूसरे देश में भिन्न होती है।
कुछ देशों में किसी दूसरे के लिखे हुए काम में से पैराग्राफ की नकल कर के लिखना गलत नहीं माना जाता। कुछ मामलों में, यहाँ से नकल किया है उस का हवाला न देना भी प्रचलित है क्यों कि इसे साधारण जानकारी का साधन माना जाता है और ऐसा सोचना कि अध्यापक को इस हवाले की जानकारी नहीं है, अपमानजनक होगा।

कुछ विद्यार्थी नकल क्यों करते हैं जब कि वह जानते हैं कि यह एक तरह से धोखा है?

- छात्र दबाब महसूस करते हैं कि वह ज्यादा अच्छे नंबर लाएं और वह सोचते हैं कि दूसरे का लिखा हुआ ऊन से ज्यादा अच्छा होगा।
- कुछ विद्यार्थी अंग्रेजी अच्छी तरह नहीं जानते और उन्हे लगता है कि स्पष्ट लिख पाने के लिए उन के पास भाषा का हुनर नहीं है।
- छात्र एक लेखक ढूंढ लेते हैं जिस के साथ वह सहमत होते हैं और उस की नकल कर के लिखना ही आसान समझते है।

याद रहे कि यदि आप किसी लेख की नकल कर रहे हैं जो आप का लिख ा हुआ नहीं है, अध्यापक को मालुम हो ही जाएगा । किसी पेशेवर लिखारी द्वारा प्रयोग किया हुआ शबद कोष और वाक्यों की बनावट एक छात्र के लिखने से भिन्न होती है। आप का अध्यापक आप से उम्मीद करेगा / करेगी कि आप अपना लिखा हुआ उसे दें, चाहे उस में गलतीयाँ ही हों, न कि किसी के लेख की नकल कर के उसे दें।

VSB

“Plagiarism”

[Hindi]

यह ब्रोशर वैनकूवर स्कूल बोर्ड के सैटलमेंट वर्कर्ज़ (VSB SWIS) द्वारा प्रायोजित किये गए कई ब्रोशरों में एक है। इसकी रचना कुछ ई.एस.एल. (ESL/ELL) शिक्षकों तथा वैनकूवर स्कूल बोर्ड के मल्टीकल्चरल लिएजों वर्कर्ज़ (VSB MCLW) ने की है।

Canada BRITISH COLUMBIA WelcomeBC

यह ब्रोशर कनाडा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की सरकार से धन के माध्यम से संभव बनाया गया है।

साहित्य की चोरी

साधारणत्या पूछे जाने वाले प्रशनों के उत्तर

साहित्य की चोरी

साहित्य की चोरी क्या है?

कनेडा में, किसी के शब्दों और विचारों के लिए स्वयं श्रेय लेने को साहित्य की चोरी कहते हैं। ईस का अर्थ है किसी के काम की नकल करना, ऐसा आभास करवाना है कि यह विचार उस के अपने ही हैं।

उदाहरण में शामिल है:

- एक पूरा का पूरा निबंध या रिपोर्ट, जिस में हूबहू शब्दों की नकल की गई हो

- असल लेख में थोड़ा सा बदलाव कर के लिखा गया हो या कुछ वाक्यों को ही अन्य शब्दों में बदल कर लिख दिया हो।

किसी अन्य व्यक्ति के विचार, आँकड़े, जानकारी या चित्रों का प्रयोग करना जायज है जब तक कि उस का श्रेय लेखक या स्त्रोत को दिया जाए।

विध्यार्थी आमतौर पर किन्न तारीकों से साहित्य की नकल करते हैं?

इन्टरनैट का प्रयोग, बहुत सारे छात्र जलदी से इन्टरनैट से शोध सामग्री में से जानकारी नकल कर के अपने लेख में चिपका लेते हैं। इस सामग्री के स्त्रोत या लेखक के बारे न बताना नकल करना है और ईसे धोखा माना जाता है।
उदाहरण में शामिल है:

-छात्र, वाक्य का कुछ भाग, पूरा वाक्य या पूरा पैराग्राफ भिन्न भिन्न स्त्रोतों से ले कर और उसे मिला कर ऐसे लिख देते है जैसे कि उन का अपना कार्य हो।

-छात्र, एक नया शब्द दे कर या दूसरों की सामग्री को इस तरह पेश करते हैं जैसे कि उन का अपना लिखा हो। शब्दों का फेर बदल करके आप इसे अपना नहीं कह सकते।

-छात्र दूसरों के विचार और राय का इस्तेमाल, बिना उन को कोई श्रेय दिए कर लेते हैं।

किसी विचार को कोई श्रेय न देना कब जायज होता है?

यह एक मुशकिल प्रशन है। जब किसी विचार को 'प्रचलित' या 'साधारण जानकारी' के लिए प्रयोग किया जाता है, तो उसे कोई श्रेय न देना जायज है।

उदाहरण में शामिल है:

- चाँद् धरती का एक ऊपग्रह है।
- वैनकूवर एक भूकंप क्षेत्र में स्थित है।

जब कोई विध्यार्थी नकल में पकड़ा जाता है तो क्या होता है?

उन को उन के काम के लिए कोई नंबर नहीं मिलता या ऊन्हें वह कोर्स छोड़ने को कहा जाता है।

एक विध्यार्थी साहित्य की चोरी से कैसे बच सकता हैं?

१. नोटस लें जैसे कि आप रिसर्च कर रहे हैं। इन नोटस में मुख्य बातों की सूची और फिर उन को समर्थन देने वाले विचार होने चाहिए। इन नोटस को अपना कार्य लिखने के लिए प्रयोग करें। अपने विचारों को समर्थन देने के लिए प्रत्यक्ष उदाहरण या हवाले का प्रयोग करें, न कि इसे अपने लिखने का एक मात्र आधार बनाएं।

२. सभी किताबों, पेज नंबर और सभी लेखकों का ब्योरा रखें जो कि अपने काम के लिए प्रयोग कर रहे हैं। इस में किताबों, इंटरनेट, लेखों, चित्रों और चार्टों से प्रापत की गई जानकारी सम्मिलित होती है। जरुरत से थोड़ा अधिक लिखना अच्छा रहता है।

३. अपने अध्यापक से पूछें कि आप अपने स्त्रोत को कैसे पेश करें। साधारणत्या, इस का अर्थ है फुटनोट और ग्रंथ/लेख सूची लिखना।

फुटनोट - यह एक तारीका है कि दूसरों के काम में से लिए गए विचारों को पहचान देना।

बिबलोग्राफी -यह एक वर्णमाला के क्रम से प्रयोग की जाने वाली किताबों, लेखों, मैगजीनों और वैबसाइट की लिस्ट होती है, जिस का प्रयोग आप ने जानकारी इकट्ठी करते समय किया था।